यह रूहानी हॉस्पिटल बनाती आधे-कल्प के लिये एवेरहेल्थी
दही-अभिमानी हो बाप की याद ही विकर्म विनाश करेगी
धंधा ,कर्म आदि करते बाप की याद में रह सकते हो
रूप-बसंत बन मुख से सदैव रत्न ही निकालने
मीठा बनना, कटु वचन नही बोलने
अन्धों की लाठी बन ऊंच तकदीर का पुरुषार्थ करना
संगम का समय अमूल्य, इसमे बचपन के नाज़ नखरे शोभते नही
याद और सेवा का कार्य ही करते सदा वानप्रस्थी
उठते -बैठते ,सोते याद और सेवा का बैलंस सदा बना रहे
बचपन के संस्कारों का समाप्ति समारोह मना
बनो.. सच्चा वानप्रस्थी
सर्व प्राप्तियों संपन्न आत्मा की निशानी सन्तुष्टता..संतुष्ट रहना और संतुष्ट करना

ॐ शांति
मेरा बाबा